



COLLECTION OF VARIOUS
-> **HINDUISM SCRIPTURES**
-> **HINDU COMICS**
-> **AYURVEDA**
-> **MAGZINES**

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with



By

Avinash/Shashi

**Icreator of
hinduism
server!**

 **KAPWING**



COLLECTION OF VARIOUS
-> **HINDUISM SCRIPTURES**
-> **HINDU COMICS**
-> **AYURVEDA**
-> **MAGZINES**

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with



By

Avinash/Shashi

**Icreator of
hinduism
server!**

 **KAPWING**

रविवार की सुबह साल का पहला और आखिरी सूर्यग्रहण होगा जो भारत में दिखेगा। सुबह 10.14 बजे से सूर्यग्रहण शुरू होगा। इसका सूतक शनिवार रात 10.14 बजे से शुरू होगा। सूतक के समय पूजा-पाठ नहीं किए जाते हैं। इस समय में सिर्फ मंत्र जाप कर सकते हैं। ग्रहण सुबह 10.14 बजे से दोपहर 1.38 बजे तक रहेगा। ग्रहण का सूतक 12 घंटे पहले शुरू हो जाता है और ग्रहण खत्म होने तक रहता है। ग्रहण खत्म होने के बाद पूजा-पाठ किए जा सकेंगे। हिन्दू/सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोग सूतक काल मानते हैं। इस दौरान पूजा घर और मंदिरों के पट बंद रहते हैं। लोग ग्रहण सूतककाल से पहले ही अपने देवी देवताओं की पूजा करके उनके पट/गेट बंद कर देते हैं। इसके बाद ग्रहण सूतककाल समाप्त होने पर लोग फिर मंदिर और पूजा घरों को खोलते हैं, मूर्तियों में गंगाजल छिड़कर उन्हें पवित्र करते हैं और विधिवित पूजा पाठ पहले की तरह शुरू करते हैं।

ग्रहण से जुड़ी ये बातें भी ध्यान रखें

- सूतक के समय पूजा-पाठ न करें मानसिक रूप से मंत्रों का जाप कर सकते हैं। आप चाहे तो अपने इष्टदेव का ध्यान भी कर सकते हैं।
- ग्रहण के समय गर्भवती महिलाओं को घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। क्योंकि, ऐसे समय में सूर्य से हानिकारक तरंगे निकलती हैं जो कि मां और बच्चे की सेहत के लिए हानिकारक होती हैं।
- खाने की चीजों में तुलसी के पत्ते डाल देना चाहिए, जिससे कि पका हुआ खाना ग्रहण के कारण अशुद्ध होने से बच जाए।
- ग्रहण खत्म होने के बाद घर की सफाई करनी चाहिए।
- घर में स्थापित देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को स्नान करना चाहिए। पूजा-पाठ करना चाहिए।
- बच्चों से लेकर बड़ों तक कोई भी इस ग्रहण को नंगी आंख से न देखें। नासा के अनुसार, सूर्य ग्रहण को देखने के लिए सोलर फिल्टर ग्लास वाले चश्मे से देखें। घर के बनाए जुगाड़ वाले चश्मे या किसी लेंस से सूर्य ग्रहण न देखें। इससे आपकी आंख पर बुरा असर हो सकता है। ग्रहण के वक्त आकाश की ओर देखने और बच्चों को यदि ग्रहण दिखाने का प्लान बना रहे हैं तो सोलर फिल्टर चश्मे की व्यवस्था जरूर कर लें। नजर नीचे करने के बाद या ग्रहण समाप्त होने के बाद ही इसे हटाएं।
- ग्रहण के कार/अन्य वाहन न चलाएं लेकिन यदि कोई ग्रहण के वक्त रास्ते में ही तो वह अपने वाहन की हेडलाइट जलाकर अन्य वाहनों से कुछ दूरी बनाकर ही वाहन चलाएं। ड्राइविंग विशेष सावधानी बरतने की हिदायत है।
- सूतक एवं ग्रहण काल में मूर्ति स्पर्श करना, अनावश्यक खाना-पीना, निद्रा, तेल मर्दन वर्जित है। झूठ-कपट आदि वृथा अलाप, नाखून काटने आदि से परहेज करना चाहिए। वृद्ध, रोगी, बालक एवं गर्भवती स्त्रियाँ को यथा अनुकूल भोजन या दवाई आदि लेने में कोई दोष नहीं है। गर्भवती महिलाओं को ग्रहण काल में सब्जी काटने, शयन करने, पापड़ सेकने आदि उत्तेजक कार्यों से परहेज करना चाहिए तथा धार्मिक ग्रंथ का पाठ करते हुए प्रसन्नचित रहें। इससे भावी संतति स्वस्थ एवं सद्गुणी होती है। गर्भवती महिलाएं पेट पर गाय के गोबर का पतला लेप लगा लें तथा संभव हो तो सुंदरकांड का पाठ करें।

भारत के विभिन्न शहरों में सूर्य ग्रहण का प्रारंभ एवं समाप्ति काल

	प्रारंभ	समाप्त
	(घं मि)	(घं मि)
1. दिल्ली	10:20.	13:48
2. वाराणसी	10:31	14:04
3. चेन्नई	10:22	13:41
4. गया	10:36	14:09
5. मुंबई	10:01	13:28
6. लखनऊ	10:27	13:59
7. पटना	10:37	14:09
8. अमृतसर	10:19	13:42
9. जालंधर	10:20	13:44
10. हरिद्वार	10:24	13:51
11. रांची	10:37	14:10
12. प्रयाग	10:28	14:01
13. आरा	10:34	14:07
14. कोलकाता	10:46	14:17
15. गोरखपुर	10:32	14:05
16. सूरत	10:03	13:31
17. अयोध्या	10:29	14:01
18. हरिद्वार	10:23	13:50
19. आजमगढ़	10:31	14:04
20. बलिया	10:35	14:06
21. बंगलोर	10:12	13:31
22. डिब्रूगढ़	11:07	14:30

सभी 12 राशियों पर ग्रहण का असर

मेथ- राशि से तीसरे स्थान पर ग्रहण होगा। सामान्य फल देने वाला रहेगा। मेहनत के अनुसार सफलता मिल जाएगी।

वृषभ- राशि से दूसरे स्थान पर ग्रहण हो रहा है। आपको सतर्क रहना होगा।

मिथुन- इस राशि में ही ग्रहण हो रहा है। धैर्य और संयम बनाए रखना होगा। संभलकर काम करें। वरना हानि हो सकती है।

कर्क- द्वादश राशि में ग्रहण होगा। आपको खुद पर काबू रखना होगा। खर्च की अधिकता रहेगी।

सिंह- एकादश स्थान पर ग्रहण हो रहा है। अभी किसी को उधार देने से बचें। आय में बढ़ोतरी के योग बन सकते हैं।

कन्या- दशम स्थान पर ग्रहण होने से कार्य की अधिकता रहेगी। पिता की मदद से लाभ मिल सकता है।

तुला- नवम भाव में ग्रहण होगा। भाग्य में रुकावट उत्पन्न करेगा। कार्य में देरी हो सकती है।

वृश्चिक- अष्टम स्थान पर ग्रहण होने से सावधान रहने का समय है। वाहन, ऊंचाई और बिजली से सचेत रहना होगा।

धनु- सप्तम भाव में ग्रहण होने वाला है। साथियों से तनाव हो सकता है। सोच-समझकर काम करें, अन्यथा हानि के योग हैं।

मकर- षष्ठम स्थान पर ग्रहण हो रहा है। रोजगार में नुकसान हो सकता है। शत्रुओं की वृद्धि होगी।

कुंभ- आपके लिए पंचम स्थान पर ग्रहण होगा। संतान से सुख और सहयोग मिलेगा। धन लाभ मिल सकता है।

मीन- चतुर्थ स्थान पर ग्रहण होने से चिंता में वृद्धि होगी। कार्य की अधिकता रहेगी। लापरवाही से बचना होगा।